B.A. Part I
Paper - I
Lecture - 15
Dr. Smita Kumari
Assistant Professor
Marwari College Darbhanga

Topic सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता अथवा उद्देश्य
(Needs or objectives of social control)

प्लेटो ने समाज की समृद्धि के लिए नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया था जबकि अरस्तू ने नागरिकों की भावनाओं में समानता बनाये रखने के लिए नियंत्रण को एक प्रमुख आधार माना था। वर्तमान युग में भी सभी विचारक यह मानते हैं कि समाज में निरन्तर होने वाले परिवर्तनों के बीच सन्तुलन बनाए रखने के लिए सामाजिक नियंत्रण का होना सबसे आवश्यक है। सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता तथा इसके उद्देश्यों को निम्नांकित रूप से स्पष्ट किया जा सकता है -

DATE: / /
PAGE:

1. सामाजिक संगठन के स्थायित्व - नियन्त्रण के कारण व्यक्तियों को मनमाने ढंग से कार्य करने और अपनी इच्छानुसार परिवर्तन करते रहने की स्वतंत्रता नहीं मिलती। परिणाम स्वरूप सामाजिक जीवन में भी भिन्नता कम हो जाती है और स्थिरता को प्रोत्साहन मिलता है।

2. परम्पराओं की रक्षा - हमारे समाज में जो परम्पराएँ विद्यमान हैं वो दीर्घकाल के अनुभवों पर आधारित हैं इसलिए यह सामाजिक संगठन के लिए उपयोगी होती है। परम्पराओं के टूटने से समाज में न केवल नवीन समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, बल्कि वैयक्तिक व्यवहारों के क्षेत्र में भी एक संघर्ष स्थिति उत्पन्न हो जाती है। सामाजिक नियन्त्रण के द्वारा परम्परागत व्यवहार करने पर जोर दिया जाता है।

3. समूह में एकता - एकता का अर्थ है सदस्यों के व्यवहारों, दृष्टिकोणों और मनोवृत्तियों में समानता। समान नियमों के अन्तर्गत रहकर कार्य करने से व्यक्तियों में समान दृष्टिकोण का विकास होता है और इस प्रकार समूह में एकरूपता (conformity) की स्थापना होती है।

4. सहयोग को प्रोत्साहन - एक संगठित समाज के लिए सदस्यों में पारस्परिक सहयोग का महत्व सबसे अधिक है। यदि व्यक्ति और समूह के

व्यवहार पर कोई नियंत्रण न हो तो हर व्यक्ति संघर्ष के द्वारा अपने स्वार्थों को पूरा करने का प्रयत्न करेगा। इसका परिणाम होगा अनियन्त्रित जीवन और समाज का विघटन।

लेकिन सामाजिक नियंत्रण के कारण प्रत्येक व्यक्ति के सामने सिर्फ एक ही मार्ग रह जाता है कि वह पारस्परिक सहयोग द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

5. सामाजिक सुरक्षा - सामाजिक नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है व्यक्तियों को मानसिक और बाह्य रूप से सुरक्षा प्रदान करना। मानसिक सुरक्षा मतलब व्यक्तियों को यह विश्वास है कि उनके हितों पर कोई व्यक्ति समाज विरोधी रूप से आघात नहीं करे और बाह्य सुरक्षा का मतलब सम्पत्ति और आजीविका के क्षेत्र में उनका जीवन सुरक्षित रहेगा।

सामाजिक नियंत्रण अनेक नियमों के द्वारा व्यक्ति की समाज - विरोधी प्रकृति को दबाकर उसे समाज से अनुकूलन करना सिखाता है। या उसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त ढंग से व्यवहार करने को बाध्य करता है।

PAGE :

सत्य तो यह है कि सुरक्षा की अनुपस्थिति में न तो कोई समाज संगठित रह सकता है और न ही व्यक्ति को विकास के समुचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं इस प्रकार समाज में सुरक्षा की स्थापना करने के दृष्टिकोण से भी सामाजिक नियन्त्रण सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

Sumita Kumari
27/4/20